Kanyaom Ko Sanskrita Shiksha

कन्याओं को संस्कृत शिक्षा

Document Information

Text title : Kanyaom Ko Sanskrita Shiksha

File name : kanyAoMkosanskRRitashikShA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

कन्याओं को संस्कृत शिक्षा

कन्याओं को भी अब हम सब संस्कृत खूब पढ़ावें,
भारतीय संस्कृति की घर-घर कीर्तिध्वजा फहरावें । ०
गार्गी-मैत्रेयी-आत्रेयी-सम विदुषी महिलायें,
हुईं यहीं जिनकी चर्चा से मुखरित सभी दिशायें,
शास्त्रनिपुण, संगीतविशारद, कला-कुशल, कवयित्री-
वनिताओं से कभी रही यह भूषित भव्य धरित्री,
उसी दृश्य को फिर हम अपने घर-घर में फैलावें,
कन्याओं को संस्कृत की हम विदुषी पुनः बनावें । १
किसी समय जल भरनेवाली भी दासी-वनितायें,
रचती थीं इस अमरभारती में सुललित कवितायें ।
कभी यहीं पर मालिन रमणी कविता मधुर सुनाती,
भोजराज की कविसंसद् में महिलायें भी आतीं ।
आज हमारी कन्यायें भी कवयित्री बन जावें,
संस्कृत का हम इतना उत्तम उनको ज्ञान करावें । २
अंग्रेजी शिक्षा जो पातीं स्कूलों में कन्यायें,
उनकी चर्चाओं से दुःखी सभी पिता-मातायें ।
आज दृश्य जो दीख रहा है घर-घर हृदय विदारण,
संस्कृत-शिक्षा ही उसका हो सकता है वारण,
कन्या संस्कृत विद्यालय भी अब हम लोग चलावें,
कम से कम प्रथमा की शिक्षा उन्हें अवश्य दिलावें । १

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Kanyaom Ko Sanskrita Shiksha

pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*